www.davvonline.com www.davvonline.com

# संस्कृत साहित्य-2016

## महाकाव्य एवं नाटक

*Time : 3 Hours]* *[Max Marks : Regular 85/Private 100*

**खण्ड अ : वस्तुनिष्ठ** *[ Regular 15 × 1 = 15/Private 15 × 1 = 15 ]*

**निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये:**

1. रघुवंश महाकवि ..... द्वारा रचित काव्य है।
2. नाट्यशास्त्र के प्रणेता ..... हैं।
3. नाटक का अन्तिम पद्य ..... कहलाता है।
4. अभिज्ञानशाकुन्तल के प्रथम पद्य में अष्टमूर्ति पद का प्रयोग ..... के लिये किया गया है।
5. मालतीमाधवम् नाटक के रचनाकार महाकवि ..... हैं।

**निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर हाँ अथवा नहीं में दीजिये :**

6. रघुवंश के द्वितीय सर्ग में राजा दिलीप द्वारा कामधेनु की सेवा की गयी।
7. नाट्यवेद में ऋग्वेद से पाठ्य ग्रहण किया गया।
8. नाटक के प्रारम्भ में की जाने वाली देवस्तुति को नान्दी कहते हैं।
9. शकुन्तला की विदा-वेला का वर्णन पञ्चम अङ्क में किया गया है।
10. स्वप्नवासवदत्तम् नाटक महाकवि भट्टनारायण द्वारा रचित है।

**सही विकल्प चुनिये :**

11. सन्तान प्राप्ति हेतु राजा दिलीप ने कितने दिनों का व्रत किया :
    (अ) सात (ब) ग्यारह (स) इक्कीस।
12. पञ्चम वेद किसे कहा गया है :
    (अ) ऋग्वेद (ब) नाट्यवेद (स) सामवेद।
13. नाटक में हास-परिहास करने वाला पात्र क्या कहलाता है :
    (अ) सूत्रधार (ब) नायक (स) विदूषक।
14. शकुन्तला की प्रियसखी का नाम क्या है :
    (अ) प्रियम्वदा (ब) मेनका (स) गौतमी।
15. कवि भट्ट नारायण द्वारा रचित नाटक का क्या नाम है :
    (अ) वेणीसंहार (ब) प्रतिमा (स) उत्तररामचरित।

**खण्ड ब : लघुउत्तरीय** *[ Regular 5 × 4 = 20/Private 5 × 5 = 25 ]*

1. निम्नलिखित का ससन्दर्भ अनुवाद कीजिये :
   शस्त्रेण रक्ष्यं यदशक्यरक्षं न तद्यशः शस्त्रभृतां क्षिणोती। **अथवा**
   राजा दिलीप की कोई चार विशेषताएं लिखिये।
2. नाट्यशास्त्र के अनुसार नाट्योत्पत्ति का वर्णन कीजिये। **अथवा**
   व्याख्या कीजिये :

www.davvonline.com www.davvonline.com

www.davvonline.com www.davvonline.com

न तज्ज्ञानं न तच्छिल्पं न सा विद्या न सा कल।।
नासौ योगों न तत्कर्म नाट्येऽस्मिन् यन्न दृश्यत् ।

3. प्रस्तावना अथवा नेपथ्य का लक्षण एवं महत्व प्रतिपादित कीजिये।
4. अधोलिखित में से किन्हीं दो सूक्तियों का अनुवाद कीजिये :
(अ) भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र (ब) अर्थो हि कन्या परकीय एव
(स) गुर्वपि विरहदुःखमाशाबधः साहयति (द) तमस्तपति धर्मांशौ कथमाविर्भविष्यति।
5. उत्तर रामचरित नाटक की कोई चार विशेषताएं लिखिये। **अथवा**
वेणीसंहार नाटक का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

**खण्ड ब : लघुउत्तरीय** *[ Regular 5 × 10 = 50/Private 5 × 12 = 60 ]*

1. (अ) निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये :
(i) स्थितः स्थितमुच्चलितः प्रयातां निषेदुषीमासंनवन्धधीरः।
जलाभिलाषी जलमाददानां छायेव तां भूपतिरन्वगतच्छत् ।।
(ii) अलं महीपाल! तव श्रमेण प्रयुक्तामष्यस्त्रमितो वृथा स्यात् ।
न पादपोन्मूलनशक्तिरंहः शिलोच्चये मूर्छति मारुतस्य।।
(iii) एकातपत्रं जगतृ प्रभुत्वं नवं वयः कान्तमिदं वपुश्च।
अल्पसय हेतोर्बहु हातुमिच्छन्विचारमूढः प्रतिभासि में त्वम् ।।
(आ) राजा दिलीप द्वारा की गयी 'गो-सेवा' का वर्णन कीजिये।

**अथवा**

रघुवंश के द्वितीय सर्ग के आधार पर प्रकृति-चित्रण कीजिये।

2. अधोलिखित में से किन्हीं दो पद्यों का सप्रसंग व्याख्या कीजिये :
(अ) सर्वशास्त्रार्थसम्पन्नं सर्वशिल्पप्रवर्तकम् ।
नाट्याख्यं पञ्चमं वेदं सेहिहासं करोम्यहम् ।
(आ) जग्राह पाठ्यमृग्वेदात् सामभ्यो गीतमेव च।
यजुर्वेदादभिनयान् रसानाथर्वणादपि।
(इ) दुःखार्त्तान्त्रां श्रमार्त्तानां शोकार्त्तानां तपस्विनाम् ।
विश्रान्तिजननं काले नाट्यमेतद् भविष्यति।।
(ई) देवानामसुराणाञ्च राज्ञामथ कुटुम्बिनाम् ।
ब्रह्मर्षिणाञ्च विज्ञेय नाट्यं वृत्तान्तदर्शकम् ।।
3. निम्नलिखित में से किसी एक का लक्षण लिखकर विस्तारपूर्वक समझाइये :
(अ) सूत्रधार (आ) नान्दी (स) प्रवेशक।

www.davvonline.com www.davvonline.com

www.davvonline.com www.davvonline.com

4. (अ) अधोलिखित में से किसी एक पद्य की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये :

(i) शुद्धान्तदुर्लभमिदं वपुराश्रमवासिनो यदि जनस्य।
दूरीकृताः खलु गुमऔरुद्यानलता वनलताभिः।।

(ii) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमष्ठनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम् ।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम् ।।

(iii) भवन्ति नम्रास्तरवः फलागमैर्वंवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः स्वभाव एवैष परोपकारिणाम् ।।

(आ) "अभिज्ञानशाकुलन्तल" के आधार पर शकुन्तला की विदा-वेला का वर्णन कीजिये।

**अथवा**

राजा दुष्यन्त का चरित्र-चित्रण कीजिये।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो नाट्यकृतियों का परिचय दीजिये :

(अ) महावीरचरितम् (ब) प्रतिमानाटकम्

(स) मालविकाग्निमित्रम् (द) स्वप्नवासवदत्तम् ।

---

अगर आपको इन पेपर्स से मदद मिले
तो कृपया आका पेपर मुझे ईमेल करे
जिस से आपके जूनियर्स को मैं पेपर्स
उपलब्द करा सकू आपका मोबाइल
रिचार्ज भी करेंगे
ईमेल ma9300930012@gmail.com
or whatsapp 9300930012.

www.davvonline.com www.davvonline.com